अपने सपनों को लोकल न रखें, ग्लोबल बनाएं : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत के स्टार्ट-अप खुद को आसानी से दुनिया के दूसरे देशों तक पहुंचा सकते हैं। इसलिए आप अपने सपनों को सिर्फ लोकल ना रखें बल्कि ग्लोबल बनाएं। उन्होंने कहा, इस मंत्र को याद रखिए, लेट्स इनोवेट फॉर इंडिया, इनोवेट फ्रॉम इंडिया।

16 जनवरी को किया 'स्टार्टअप डे' घोषित

पीएम ने कहा, हमारे स्टार्ट-अप लीक से हटकर व्यापक बदलाव ला रहे हैं, इसलिए मेरा मानना है कि स्टार्ट-अप नए भारत की रीढ़ बनने जा रहे हैं।

देश में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री ने शनिवार को वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से स्टार्टअप कारोबारियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि जब भारत आजादी के 100 साल पूरे करेगा तो स्टार्टअप कारोबारियों की अहम भूमिका होगी। उन्होंने इस दौरान एक बड़ा एलान करते हुए कहा कि स्टार्टअप्स का ये कल्चर देश के दूर-दराज तक पहुंचे, इसके लिए 16 जनवरी को अब 'नेशनल स्टार्टअप डे' के रूप में मनाया जाएगा। एजेंसी

ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत की रैंकिंग सुधरी

भारत में जारी अभियान को ग्लोबल इंडेक्स के रैंकिंग में आई सुधार का श्रेय देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वर्ष 2015 में इस रैंकिंग में भारत 81 नंबर पर था। अब इनोवेशन इंडेक्स में भारत 46 नंबर पर है। वर्ष 2013-14 में जहां 4 हजार पेटेंट्स को स्वीकृति मिली थी, वहीं पिछले वर्ष 28 हजार से ज्यादा पेटेंट्स ग्रांट किए गए हैं। वर्ष 2013-14 में जहां करीब 70 हजार ट्रेडमार्क पंजीकृत हुए थे, वहीं 2020-21 में ढाई लाख से ज्यादा ट्रेडमार्क पंजीकृत किए गए हैं। वर्ष 2013-14 में जहां सिर्फ 4 हजार कॉपीराइट्स ग्रांट किए गए थे, पिछले साल इनकी संख्या बढ़कर 16 हजार के भी पार हो गई है।

उद्यमिता और नवाचार को सरकारी प्रक्रियाओं के जाल से किया जा रहा मुक्त

पीएम ने कहा कि सरकार स्टार्ट अप को बढ़ावा देने के लिए तीन पहलुओं पर ध्यान दे रही है। सबसे पहले, उद्यमिता और नवाचार को सरकारी प्रक्रियाओं के जाल से मुक्त कराने पर जोर दिया जा रहा है। उसके बाद नवाचार को बढ़ावा देने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र के विकास पर ध्यान दिया जा रहा है और तीसरे पहलू के तहत युवा नवाचारों और उद्यमियों की मदद करना है।

बचपन से ही विद्यार्थियों में नवाचार के प्रति हो आकर्षण

पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमारा प्रयास, देश में बचपन से ही विद्यार्थियों में नवाचार के प्रति आकर्षण पैदा करने, नवाचार को संस्थागत करने का है। 9 हजार से ज्यादा अटल टिंकरिंग लैब्स, बच्चों को स्कूलों में नवाचार और नए विचारों पर काम करने का मौका दे रही हैं।

- **गांवों की तरफ बढ़ें युवा उद्यमी**

पीएम ने इस मौके पर कहा कि 21वीं सदी के इस दशक में स्टार्टअप्स को ये बात ध्यान रखनी है कि जिस तेजी से और जिस पैमाने पर आज सरकार गांव-गांव तक डिजिटल पहुंच बढ़ाने के लिए काम कर रही है, उससे भारत में करीब 100 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता होने वाले हैं। इसलिए स्टार्टअप्स से आग्रह है कि वह गांवों की तरफ भी बढ़ें।